दोस्ती के बीज

माइकल

दोस्ती के बीज

माइकल

एडम को अपने नए घर से प्यार था.

वो शहर की एक ऊंची टॉवर में रहता था.

वहां रहना काफी रोमांचक था.

उसे लगता था जैसे वो आकाश में रह रहा हो.
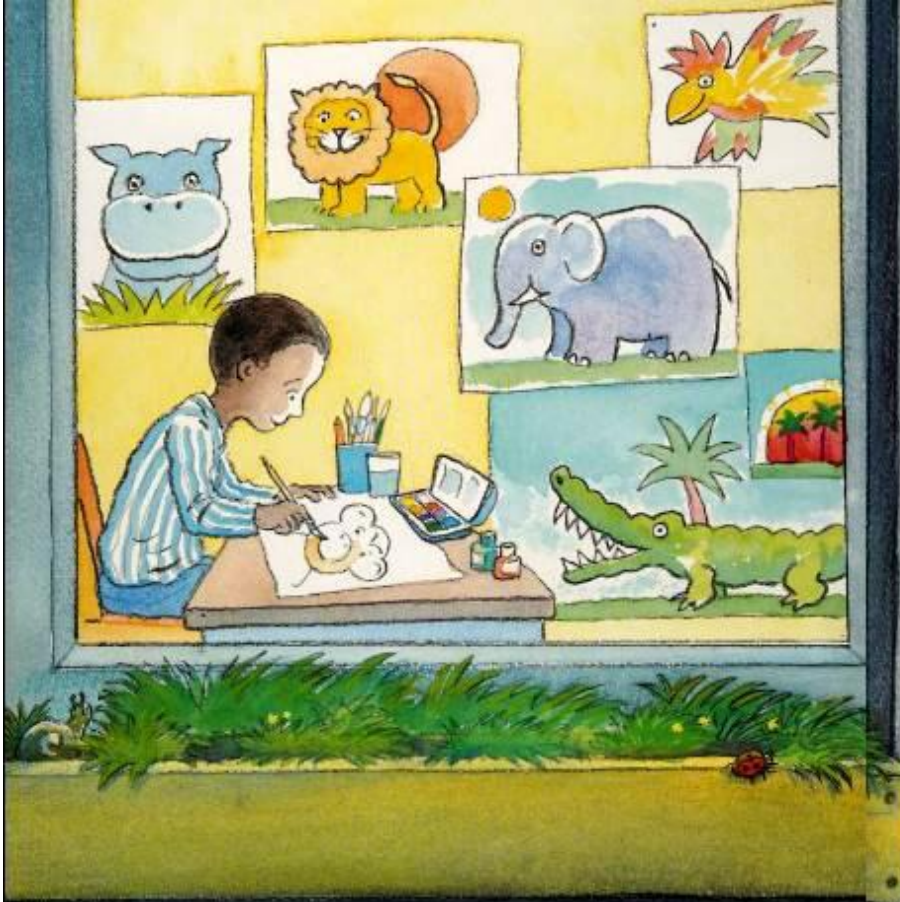
लेकिन एडम को अपने पुराने घर की बहुत याद आती थी. हर शाम वो अपने माता-पिता से उन कहानियों को पढ़ने के लिए कहता जिनसे पुराने घर की उसकी यादें तरोताज़ा होतीं.

फिर एडम उन कहानियों पर आधारित चित्र बनाता और उन्हें अपने बेडरूम की दीवार पर चिपकाता था.
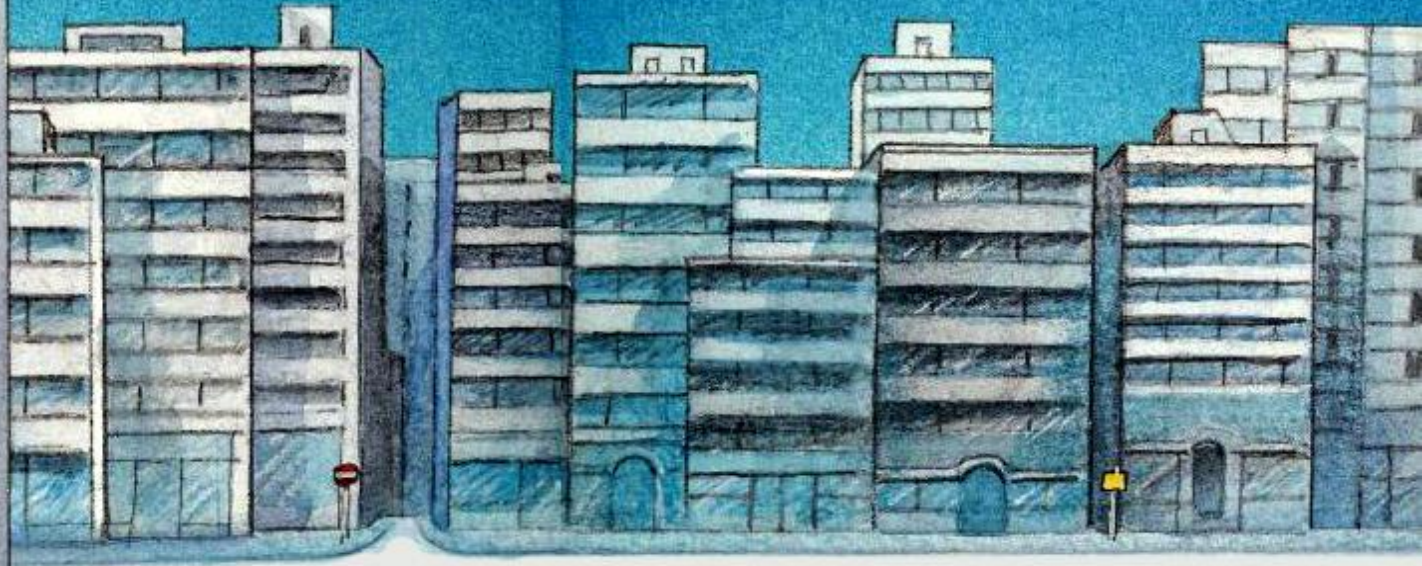
लेकिन जब वो अपने बेडरूम की खिड़की से बाहर देखता, तो उसे कुछ अलग ही नज़ारा दिखता था. उसे बाहर एक ठंडी, बियाबान दुनिया दिखती थी.

बाहर बहुत खाली-खाली था. कभी-कभी उसे कुछ बच्चे नीचे इमारतों की छाया में खेलते हुए दिखते थे, लेकिन वो नीचे जाकर उनसे हेलो कहने में बहुत शर्माता था.

फिर एक सुबह एडम को अपनी खिड़की से बाहर बिलकुल नहीं दिखा. कांच पर पाला जम गया था. कांच पर जमे बर्फीले नमूनों ने एडम को एक जंगल की याद दिलाई. फिर अपनी उंगली से, एडम ने उस जंगल में रहने के लिए जानवरों के चित्र बनाए. जब उसकी खिड़की का जंगल भर गया, तो वो अगली खिड़की पर गया, और फिर अगली खिड़की पर. अंत में सभी खिड़कियां एडम के जानवरों से भर गईं.

उस रात, एडम ने पहली बार
बर्फ (स्नो) गिरते हुए देखी.
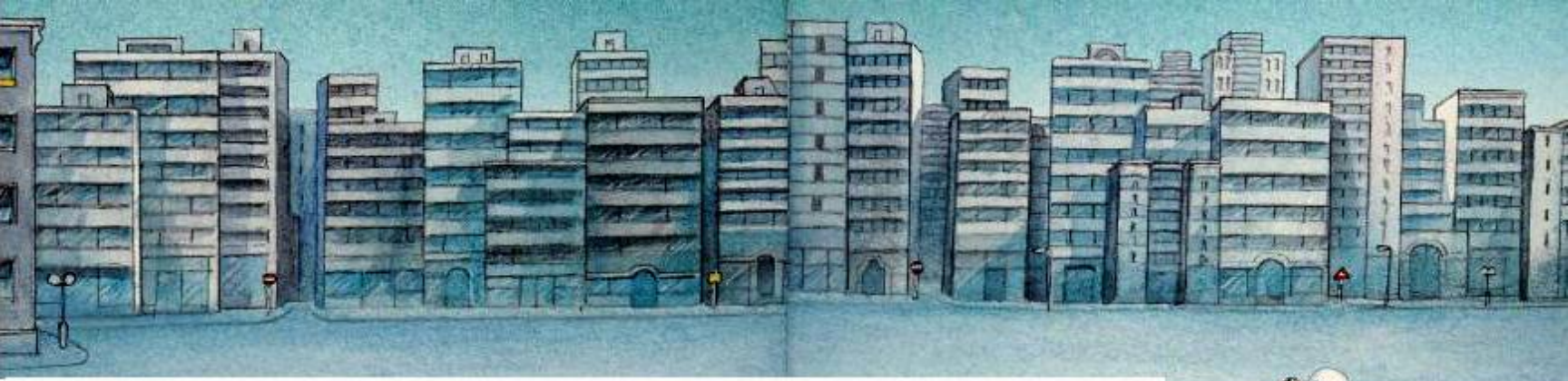
सुबह तक सिलेटी दुनिया गायब हो गई. उसकी जगह अब एक सफेद अचरजों से भरी दुनिया ने ले ली थी. एडम नीचे स्नो में खेलने लगा. वहां बेहद ठंड थी!

वहां कुछ बच्चे एक "स्नोमैन" बना रहे थे.

एडम ने स्नो को छुआ. वो एकदम हल्की, गीली और ठंडी थी. फिर एडम ने स्नो से एक हाथी बनाना शुरू किया.

"तुमने बहुत छोटे आकार का हाथी बनाया है!" एक बच्चे ने हंसते हुए कहा. "चलो हम मिलकर एक बड़ा हाथी बनाते हैं."

फिर उन्होंने उसके हाथी पर पर एक स्नो की एक गेंद फेंकी. एडम हँसा.

फिर सब बच्चों ने मिलकर स्नो का एक बहुत बड़ा हाथी बनाया.

हाथी खत्म करके एडम ने स्नो का एक हिप्पो बनाना शुरू
किया. बाकी बच्चों ने उसकी नकल की,
और जल्द ही वहाँ पर बर्फ के
गेंडे, शेर, मगरमच्छ,
और बर्फ के ऊंट भी बने.
रात के खाने के समय तक,
"स्नोमैन" एक बड़े बर्फ के
चिड़ियाघर का इंचार्ज था!

कुछ दिनों बाद, जब बर्फीली दुनिया पिघल गई, तब एडम का नया स्कूल शुरू हुआ. एडम खुश था क्योंकि उसके कुछ नए दोस्त वहाँ थे. उन्होंने एडम को स्कूल का चप्पा-चप्पा घुमाया. एडम को वहां एक छोटा सा बगीचा बहुत पसंद आया. वो सिलेटी खेल के मैदान में हरे रंग का एक अद्भुत बगीचा था.

टीचर ने बगीचे से घर ले जाने के लिए एडम को कुछ बीज दिए. एडम ने उन्हें अपनी माँ को दिए. उसे नहीं पता था कि वे किस प्रकार के बीज थे, लेकिन उसकी माँ ने उन्हें खिड़की में रखे एक बक्से में बो दिया.

"चलो देखते हैं, क्या होता है," उन्होंने कहा.

जैसे-जैसे महीने बीते, स्कूल का बगीचा बढ़ता गया और एडम अधिक पौधे और बीज अपने घर लाया. जब खिड़की के सब बक्से भर गए, तब एडम और उसके एक दोस्त ने टिन के डिब्बे, टूटे बर्तन और प्लास्टिक के कनस्तर इकट्ठे किये और वे उन्हें छत पर ले गए. फिर दोनों ने मिलकर आकाश में एक बगीचा बनाया.

"चलो हम मिलकर और बगीचे बनाते हैं!" बच्चों ने कहा.

उसके बाद एडम और उसके दोस्तों को जहाँ भी जमीन
का कोई खाली टुकड़ा मिलता तो वे वहां बगीचा लगाते.
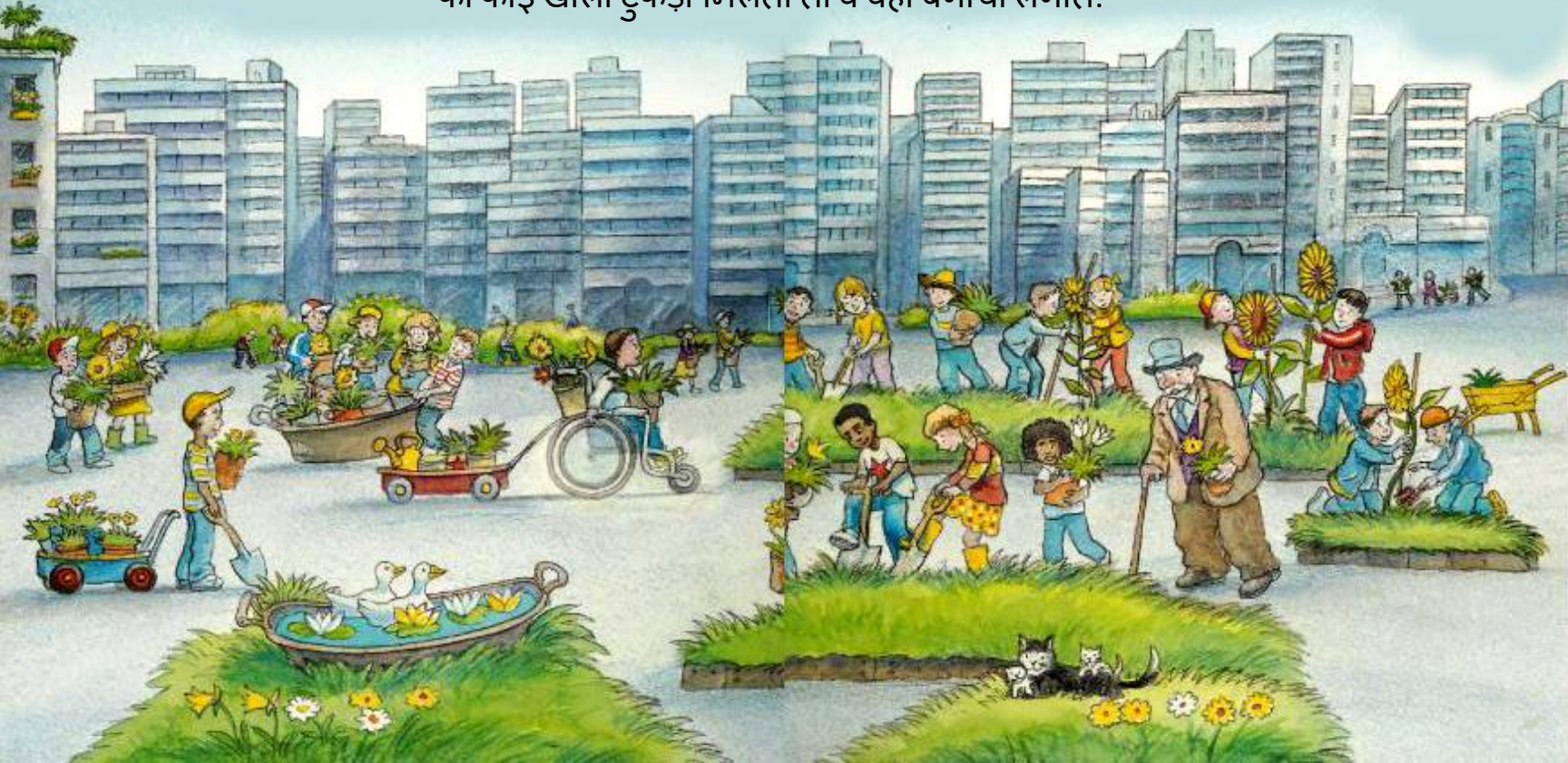
अब एडम को अपनी दुनिया सिलेटी नहीं दिखती थी.

अब उसे वो बगीचों का शहर नज़र आता है.

उसे यह भी पता था कि हरेक मौसम अपने
अलग-अलग चमत्कार और रंग लाएगा,
और वे दोस्ती के बीज कभी मरेंगे नहीं.

समाप्त